Drishti IAS

करेंट अफेयर्स राजस्थान

सितम्बर (संग्रह)

2023

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

राजस्थान **4**

- हर वर्ष 31 अगस्त को मनाया जाएगा विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति दिवस 4
- राज्य शासन ने लिया पेंशनरों के हित में बड़ा फैसला 5
- मुख्यमंत्री ने श्री जयनारायण व्यास स्मृति भवन टाउन हॉल का किया लोकार्पण 5
- 131 राजकीय विद्यालय होंगे महात्मा गांधी अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालयों में रूपांतरित 8
- चित्तौड़गढ़ में होगा सत्यव्रत रावत चूंडा पैनोरमा का निर्माण 8
- चाकसू में खुलेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पंचकर्म 9
- राजस्थान की दो महिला शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 10
- प्रदेश के 1.65 लाख छात्र-छात्राओं को मिलेगी सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग 11
- राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में 149 शिक्षक हुए सम्मानित, शिक्षा विभाग के विभिन्न नवाचारों का हुआ शुभारंभ 11
- राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल और जे-पाल साउथ एशिया की कार्यकारी निदेशक ने SARWA में शामिल होने के लिये आशय पत्र पर किये हस्ताक्षर 12
- इंदिरा रसोई योजना (ग्रामीण) का शुभारंभ 13
- भामाशाह सम्मान समारोह में 142 भामाशाहों को किया गया सम्मानित 14
- राज्यपाल ने किया अमृत वाटिका का उद्घाटन 16
- ब्रजभाषा रचनाकार सम्मान समारोह 16
- मुख्यमंत्री ने विश्व के पहले हैरिटेज रिवर फ्रंट का किया लोकार्पण 17
- मुख्यमंत्री ने कोटा में ऑक्सीजोन सिटी पार्क का किया लोकार्पण 21
- राज्यस्तरीय हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन 23
- राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2023 के प्रारूप का अनुमोदन 25
- जयपुर में स्थापित होगी राजस्थान स्टेट फेकल्टी डेवलपमेंट एकेडेमी (RSFDA) 26
- पुरस्कारों की घोषणा 27
- 25 लाख पशुपालकों को पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान के लिये मिलेगा अनुदान 27
- सोला में 132 केवी जी.एस.एस. व 33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन मीरण का लोकार्पण 27
- जोधपुर में होगा राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का राज्यस्तरीय आयोजन 28

नोट :

- राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 63 प्रस्तावों को मिली मंज़ूरी 29
- भारत निर्वाचन आयोग का नवाचार- प्रदेश में पहली बार विधानसभा आम चुनावों में होम वोटिंग की सुविधा 30
- राज्यपाल को छठे राज्य वित्त आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत 31
- पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जोबनेर के लिये अधिसूचना जारी 31
- जलदाय मंत्री ने किया 130 करोड़ रुपए की जल प्रदाय योजनाओं का शिलान्यास 32
- 'गांधी वाटिका' का लोकार्पण 32
- कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान का लोकार्पण 33
- मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर का लोकार्पण 35
- मुख्यमंत्री ने किया लगभग 837 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास 35
- प्रधानमंत्री ने उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया 38
- राजस्थान साहित्य अकादमी ने घोषित किये वर्ष 2023-24 के वार्षिक पुरस्कार 39
- डोल मेले का विधिवत शुभारंभ 40
- राज्यपाल ने संविधान पार्क का किया लोकार्पण 42
- विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर राजस्थान के दो गाँवों को मिले रजत और कांस्य पदक 43
- जीएसटी के राजस्व में वृद्धि के लिये 'मुख्यमंत्री जीएसटी बिल पुरस्कार योजना-2023' लागू 44
- उपराष्ट्रपति ने किया बाड़मेर के गुड़ामालानी में आईसीएआर के क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास 44
- यूडीएच मंत्री ने कोटा में बेटी गौरव उद्यान का किया लोकार्पण 45
- राज्यपाल ने खोले के हनुमानजी रोप-वे का किया लोकार्पण 45
- जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने हवामहल ज़ोन में 61 करोड़ रुपए के 6 विकास एवं सौंदर्य कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया 46

नोट :

राजस्थान

हर वर्ष 31 अगस्त को मनाया जाएगा विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति दिवस

चर्चा में क्यों ?

31 अगस्त, 2023 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजातियों के 72वें मुक्ति दिवस राज्यस्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए हर वर्ष 31 अगस्त को विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति समुदाय के उत्थान के लिये राज्य सरकार द्वारा निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं। विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजातियों (डीएनटी) के विकास के लिये 50 करोड़ रुपए के कोष की स्थापना की गई है।
- डीएनटी समाज की पारंपरिक कलाओं एवं उद्यम हेतु 5 करोड़ रुपए की राशि से डीएनटी रिसर्च एवं प्रिजर्वेशन सेंटर बनाया जा रहा है। साथ ही, समाज के लोगों को ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाने एवं कलाकारों को रोज़गार तथा आर्थिक प्रोत्साहन देने का कार्य भी किया जा रहा है।
- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि समाज के विद्यार्थियों को आवास व शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिये योजना लाई गई है। विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू समुदाय के उत्थान के लिये शीघ्र ही डीएनटी पॉलिसी लाई जाएगी।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजाति समुदाय (डीएनटी) ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इसी वजह से अंग्रेज़ों ने क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट-1871 जैसा अत्याचारी कानून बनाकर इस समुदाय को प्रताड़ित किया। आज़ादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने 1952 में इस दमनकारी कानून को निरस्त कर विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू जनजातियों पर हो रहे अन्याय को समाप्त किया।

नोट :

- पंडित नेहरू ने ही 1955 में गाड़िया लोहार समुदाय को चित्तौड़गढ़ किले में प्रवेश दिलाया। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी द्वारा लिये गए निर्णयों से डीएनटी समाज सहित सभी वंचित वर्गों को पंचायतीराज संस्थाओं में राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिला।
- राज्य विमुक्त, घुमंतू, अर्द्धघुमंतू बोर्ड की अध्यक्ष उर्मिला योगी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा डीएनटी समुदाय के लिये गाँवों में 150 वर्गगज एवं शहरों में 50 वर्गगज तक के पट्टों का नि:शुल्क आवंटन किया गया है।

राज्य शासन ने लिया पेंशनरों के हित में बड़ा फैसला

चर्चा में क्यों ?

31 अगस्त, 2023 को मध्य प्रदेश के जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य शासन ने पेंशनरों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए पेंशनरों/परिवार पेंशनरों को 1 जुलाई, 2023 से छठवें वेतनमान में मूल पेंशन/परिवार पेंशन पर 221% और सातवें वेतनमान में 42% की दर से महँगाई राहत स्वीकृत की है। बढ़ी हुई राशि अगस्त, 2023 से देय होगी।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार छठवें वेतनमान में महँगाई राहत की वृद्धि दर 9% और सातवें वेतनमान में महँगाई राहत की 4% दर से बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले उन्हें 1 जुलाई, 2023 से छठवें वेतनमान में मूल पेंशन/परिवार पेंशन पर 212% की दर से और सातवें वेतनमान में 38% की दर से महँगाई राहत मिल रही थी।
- आदेश के अनुसार 80 वर्ष या उससे अधिक की आयु के पेंशनरों को देय अतिरिक्त पेंशन पर भी महँगाई राहत देय होगी। महँगाई राहत अधिवार्षिकी, सेवानिवृत्त, असमर्थता तथा क्षतिपूर्ति पेंशन पर देय होगी।
- सेवा से पदच्युत या सेवा से हटाए गए कर्मचारियों को स्वीकार किये गए अनुकंपा भत्ते पर भी महँगाई राहत की पात्रता होगी। परिवार पेंशन तथा असाधारण पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों को भी महँगाई राहत वित्त विभाग के प्रासंगिक आदेश अनुसार देय होगी।
- यदि किसी व्यक्ति को उसके पति/पत्नी की मृत्यु के कारण अनुकंपा के आधार पर सेवा में रखा गया है तो ऐसे मामलों में परिवार पेंशन पर महँगाई राहत की पात्रता नहीं होगी।
- यदि पति/पत्नी की मृत्यु के समय वह सेवा में हैं तो उसे पति/पत्नी की मृत्यु के कारण देय परिवार पेंशन पर महँगाई राहत की पात्रता होगी। ऐसे पेंशनरों, जिन्होंने अपनी पेंशन का एक भाग सारांशीकृत कराया है, उन्हें महँगाई राहत उनकी मूल पेंशन पर देय होगी।
- यह आदेश राज्य शासन के ऐसे सेवानिवृत्त कर्मचारियों पर भी लागू होंगे, जिन्होंने उपक्रमों/स्वशासी संस्थानों/मंडलों/निगमों आदि में संविलियन पर एकमुश्त राशि आहरित की है और जो पेंशन के एक-तिहाई हिस्से के प्रत्यावर्तन के पात्र हो गए हैं।
- महँगाई राहत के भुगतान पर होने वाले रुपए के अपूर्ण भाग को अगले रुपए में पूर्णांकित किया जाएगा। संचालक पेंशन को बैंक की शाखाओं में नमूना जाँच करने तथा विसंगति की स्थिति में उसका समायोजन आगामी माह के भुगतानों में करने के निर्देश दिये गए हैं।
- सभी पेंशन संवितरणकर्त्ता अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे मध्य प्रदेश कोषालय संहिता 2020 के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए पेंशनरों को स्वीकृत महँगाई राहत का भुगतान सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने श्री जयनारायण व्यास स्मृति भवन टाउन हॉल का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

3 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के जोधपुर ज़िले में पट्टिका का अनावरण कर श्री जयनारायण व्यास स्मृति भवन टाउन हॉल का लोकार्पण किया।

नोट :

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 11.50 करोड़ रुपए की लागत से नवीनीकृत इस 60 साल पुराने टाउन हॉल के द्वारा स्व. व्यास की स्मृतियों के संरक्षण के साथ-साथ कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शन हेतु एक उपयुक्त वातावरण मिल सकेगा।
- विदित है कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी स्व. जयनारायण व्यास का कला से गहरा नाता था। उन्होंने जीवन में कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि नृत्य, नाटक एवं संगीत कला को प्रोत्साहन देने के लिये जयपुर के रवींद्र मंच को मल्टी कल्चरल सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार अपनी योजनाओं से लोक कलाओं के संरक्षण एवं कलाकारों को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। राज्य सरकार द्वारा कोरोनाकाल में कलाकारों को आर्थिक संबल उपलब्ध करवाया गया।
- 'लोक कला प्रोत्साहन योजना' के तहत कलाकारों को रोज़गार देने, नए वाद्य यंत्रों की खरीद के लिये राशि उपलब्ध करवाने का प्रावधान किया गया है। प्रदेशभर में कला उत्सवों के आयोजन से कलाकारों को आजीविकोपार्जन में सहायता मिली है।

नोट :

- राज्य सरकार ने 'कलाकार कल्याण कोष' के लिये 100 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं। पूर्व कार्यकाल में भी कलाकारों, लेखकों एवं साहित्यकारों हेतु अतिरिक्त बजट आवंटित किया गया था।
- इस दौरान मुख्यमंत्री ने 'भारत का संविधान-राजस्थानी अनुवाद'पुस्तिका का विमोचन किया तथा राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के वर्ष 2023-24 के लिये वरिष्ठ नाट्य निर्देशन विधा में उदयपुर के भानु भारती को सर्वोच्च रत्न से सम्मानित किया।
- उन्होंने शास्त्रीय विधा में सुमन यादव, शास्त्रीय वादन वायलिन में रवि पंवार, शास्त्रीय नृत्य कथक विधा में गीता रघुवीर, लोक संगीत गायन में भूगड़े खाँ, लोक संगीत में परवीन मिर्ज़ा, लोक नृत्य में डॉ. रूपसिंह शेखावत, लोक कला कठपुतली में खैरातीराम भाट, लोक नाट्य में दिलीप भट्ट, सुगम संगीत में रफीक सागर, नाट्य-लेखन में अशोक राही, नाट्य-अभिनय में गीता भट्टाचार्य, नाट्य-निर्देशन में साबिर खान को सम्मानित किया।
- इनके अलावा नाट्य-रूप सज्जा में राधेलाल, कला समग्र साधना में शरद कुमार तैलंग को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- मुख्यमंत्री ने शास्त्रीय गायन विधा में सौरभ वशिष्ठ, तबला वादन में अशीष रागवानी, कथक नृत्य में चारू शर्मा, भपंग वादन में युसुफ खान मेवाती, सुगम संगीत गायन में स्वागत राठौड़, रंगमंच में कविराज लईक को युवा पुरस्कार से सम्मानित किया।
- समारोह में पखावज वादन विधा में अबीर तिवारी, शास्त्रीय गायन में चैतन्य सहल, कथक नृत्य में तनिष्का श्रीवास्तव को बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

131 राजकीय विद्यालय होंगे महात्मा गांधी अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालयों में रूपांतरित

चर्चा में क्यों ?

- 4 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विविध श्रेणी के 131 राजकीय विद्यालयों को महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालयों में रूपांतरित करने की स्वीकृति प्रदान की है।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि राज्य सरकार प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में अंग्रेज़ी शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिये महत्त्वपूर्ण निर्णय ले रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने इन विद्यालयों को महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालयों में रूपांतरित करने की स्वीकृति प्रदान की है।
- मुख्यमंत्री की स्वीकृति से प्राथमिक स्तर के 42, उच्च प्राथमिक स्तर के 56 एवं उच्च माध्यमिक स्तर के 33 विद्यालयों को अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालयों में रूपांतरित किया जाएगा। इनमें 8 बालिका विद्यालय भी शामिल हैं।
- इन विद्यालयों में जयपुर के 27, अलवर के 15, बारां के 13, जोधपुर के 12, बाड़मेर व झुंझुनूं के 10-10, भीलवाड़ा व करौली के 7-7, दौसा व डूंगरपुर के 6-6, नागौर के 5, भरतपुर के 4, अजमेर के 3, जालोर के 2 तथा कोटा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ व चूरू के 1-1 विद्यालय शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2023-24 में प्रदेश में महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालय खोलने के लिये घोषणा की थी।

चित्तौड़गढ़ में होगा सत्यव्रत रावत चूंडा पैनोरमा का निर्माण

चर्चा में क्यों ?

- 4 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चित्तौड़गढ़ ज़िले में 4 करोड़ रुपए की लागत से सत्यव्रत रावत चूंडा पैनोरमा के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि राज्य सरकार महापुरुषों के जीवन और उनके आदर्शों से नई पीढ़ी को अवगत करवाने के लिये विभिन्न निर्णय ले रही है। इस क्रम में मुख्यमंत्री सत्यव्रत रावत चूंडा पैनोरमा के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है।
- सत्यव्रत रावत चूंडा पैनोरमा निर्माण के लिये चित्तौड़गढ़ ज़िला कलक्टर द्वारा ग्राम बस्सी में ज़मीन भी आवंटित की जा चुकी है।
- इस पैनोरमा में सत्यव्रत रावत चूंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को प्रदर्शित किया जाएगा। उनके जीवन पर आधारित पैनोरमा के निर्माण से नई पीढ़ी को उनके आदर्शों को आत्मसात करने का अवसर मिल सकेगा।
- गौरतलब है कि मेवाड़ के महाराणा लाखा के ज्येष्ठ पुत्र सत्यव्रत चूंडा ने अपने पिता के वचन को निभाने के लिये राजगद्दी और राज्य की सीमाओं का त्याग कर दिया था। अपने वचन पालन एवं त्याग के कारण उन्हें मेवाड़ का भीष्म पितामह भी कहा जाता है।

चाकसू में खुलेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पंचकर्म

चर्चा में क्यों ?

- 4 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर ग्रामीण ज़िले के चाकसू में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पंचकर्म की स्थापना के लिये 40 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की।

प्रमुख बिंदु

- चाकसू में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पंचकर्म की स्थापना से पंचकर्म के क्षेत्र में अधिक उत्कृष्टता के साथ कार्य हो सकेगा।
- पूर्व में राज्य सरकार द्वारा जोधपुर में इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पंचकर्म के संचालन की स्वीकृति भी दी जा चुकी है।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2023-24 में चाकसू में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पंचकर्म खोले जाने के लिये घोषणा की थी।

नोट :

राजस्थान की दो महिला शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

5 सितंबर, 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राजस्थान की दो महिला शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया।

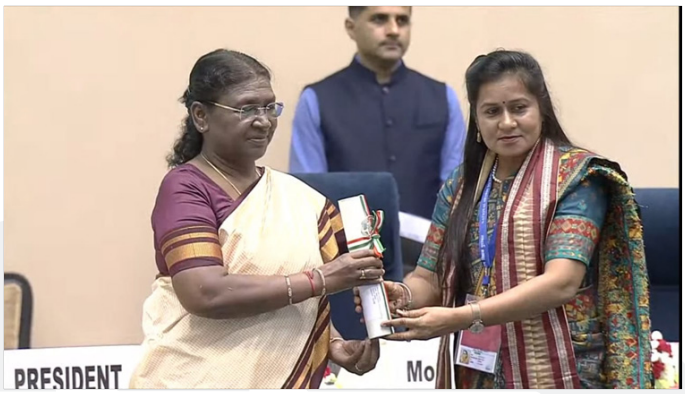

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में देशभर के कुल 75 चयनित शिक्षकों को वर्ष 2023 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया।
- इस शिक्षक सम्मान समारोह में सभी पुरस्कृत शिक्षकों को पुरस्कारस्वरूप 50 हज़ार रुपए नकद, प्रशस्ति-पत्र, शॉल, श्रीफल दिया गया।
- इस वर्ष राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये राजस्थान की दो महिला शिक्षकों को चुना गया था, जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षिकाओं में अलवर ज़िले की आशा सुमन और जोधपुर में प्रिंसिपल डॉ. शीला आसोपा शामिल हैं।
- आशा सुमन अलवर में बच्चियों को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग देती हैं तो वहीं जोधपुर में प्रिंसिपल डॉ. शीला आसोपा ने कड़ी मेहनत से साईन लैंग्वेज तैयार कर बच्चों को शब्द ज्ञान कराया।
- राष्ट्रीय शिक्षक दिवस:
  - वर्ष 1962 से प्रतिवर्ष 5 सितंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य भारत में स्कूल अध्यापकों, शोधकर्त्ताओं और प्रोफेसरों सहित अन्य शिक्षकों के योगदान का सम्मान करना है।
  - भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने छात्रों के उत्सव के अनुरोध की प्रतिक्रिया में उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था।
- राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार:
  - राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार का उद्देश्य देश के कुछ बेहतरीन शिक्षकों के अनूठे योगदान का जश्न मनाना तथा उन शिक्षकों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध बनाया है।
  - ये पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं।
  - पुरस्कार में एक रजत पदक, एक प्रमाण-पत्र एवं 50,000 रुपए की नकद राशि शामिल है।
  - इस वर्ष पुरस्कार के दायरे में स्कूली शिक्षा तथा साक्षरता विभाग द्वारा चयनित शिक्षकों के अतिरिक्त उच्च शिक्षा विभाग एवं कौशल विकास मंत्रालय द्वारा चयनित शिक्षकों को भी शामिल किया गया है।

नोट :

प्रदेश के 1.65 लाख छात्र-छात्राओं को मिलेगी सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग

चर्चा में क्यों ?

- 6 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के युवाओं का क्षमता संवर्द्धन कर उन्हें रोजगारोन्मुख बनाने तथा उनके समग्र विकास के लिये अहम कदम उठाने के क्रम में प्रदेश के 1.65 लाख छात्र-छात्राओं को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग दिये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री की इस स्वीकृति से कॉलेज जाने वाले 1.20 लाख एवं स्कूली शिक्षा की कक्षा 11वीं व 12वीं के 45 हजार छात्र-छात्राओं को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग उपलब्ध होगी।
- इस प्रशिक्षण पर 38.50 करोड़ रुपए का व्यय संभावित है जो युवा विकास एवं कल्याण कोष के तहत आरसीवीईटी कोष में उपलब्ध राशि से वहन किया जाएगा।
- ट्रेनिंग से विद्यार्थियों में कौशल विकास के साथ ही उनका व्यक्तित्व विकास भी हो सकेगा, जिससे उनके अकादमिक प्रदर्शन में वृद्धि होगी तथा रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।
- उल्लेखनीय है कि पूर्व में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षणरत् 50 हजार प्रशिक्षणार्थियों को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग के लिये भी मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृति दी जा चुकी है।

राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में 149 शिक्षक हुए सम्मानित, शिक्षा विभाग के विभिन्न नवाचारों का हुआ शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 5 सितंबर, 2023 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षक दिवस के अवसर पर बिड़ला सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में राज्य के 50 ज़िलों के 149 शिक्षकों को सम्मानित किया तथा शिक्षा विभाग के विभिन्न नवाचारों का शुभारंभ किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित शिक्षकों के सम्मान में प्रकाशित 'शिक्षक सम्मान'पुस्तिका का विमोचन भी किया। साथ ही, भोपाल में आयोजित 66वें राष्ट्रीय स्कूल टूर्नामेंट में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले 6 खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया।
- समारोह में मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग के विभिन्न नवाचारों का शुभारंभ किया-
- उन्होंने शाला दर्पण शिक्षक ऐप का लोकार्पण तथा नए फीचर्स से युक्त शाला संबलन 2.0 ऐप का अनावरण किया।
- राज्य में 12 हज़ार उच्च माध्यमिक विद्यालयों में ई-एजुकेशन उपलब्ध करवाने के लिये स्कूल आफ्टर स्कूल प्रोग्राम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 'मिशन ज्ञान'के सहयोग से बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिये स्कूल समय पश्चात् सोशल मीडिया के माध्यम से लाइव कक्षाओं का आयोजन किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने राज्य के 300 महात्मा गांधी अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालयों में स्थापित की गई रोबोटिक्स लैब्स का शुभारंभ किया। इन लैब्स के माध्यम से विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी क्षेत्र का ज्ञान स्कूली स्तर से ही उपलब्ध हो सकेगा और वे निजी स्कूल्स के विद्यार्थियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे।
- उन्होंने विद्यालयों में ई-कक्षाओं के संचालन के लिये मिशन स्टार्ट कार्यक्रम तथा राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल कंप्यूटरीकरण प्रोग्राम का शुभारंभ किया। समारोह में वेदांतु इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड एवं लीडरशिप बुलेवर्ड प्रा.लि. (लीड) सहित विभिन्न संस्थानों के साथ एमओयू किये गए।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्तमान समय में अंग्रेज़ी भाषा के महत्त्व को समझते हुए राज्य में महात्मा गांधी अंग्रेज़ी माध्यम विद्यालय खोले हैं। इन विद्यालयों में वर्तमान में 6 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। राज्य में संस्कृत विश्वविद्यालय एवं वैदिक विद्यालय खोले गए हैं। राज्य में विश्वविद्यालयों की संख्या 90 से अधिक हो चुकी है।
- उन्होंने कहा कि राज्य में अब उच्च अध्ययन के लिये ट्रिपल आईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थानों के साथ ही आयुर्वेद यूनिवर्सिटी, लॉ यूनिवर्सिटी, पत्रकारिता यूनिवर्सिटी, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज आदि संस्थान उपलब्ध हैं, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन के लिये बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत 500 विद्यार्थियों को अध्ययन के लिये विदेश भेजा जा रहा है। राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों के आयोजन से खेलों के प्रति सकारात्मक माहौल बन रहा है। अन्य राज्यों की सरकारें भी अब इसका अनुसरण कर रही हैं। राज्य में खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न नौकरियाँ एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जा रहा है

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल और जे-पाल साउथ एशिया की कार्यकारी निदेशक ने SARWA में शामिल होने के लिये आशय पत्र पर किये हस्ताक्षर

चर्चा में क्यों ?

- 6 सितंबर, 2023 को भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग की सचिव विनी महाजन की उपस्थिति में गुजरात की राजधानी गांधीनगर में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष शिखर अग्रवाल और जे-पाल साउथ एशिया की कार्यकारी निदेशक शोभिनी मुखर्जी ने SARWA में शामिल होने के आशय पत्र पर हस्ताक्षर किये।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान सरकार ने पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान में हमेशा उल्लेखनीय कार्य किये हैं और SARWA हवा और पानी की चुनौतियों से निपटने के लिये उच्च प्रभाव और लागत प्रभावी नीतिगत निर्णय लेने के लिये नीति निर्माताओं का मार्गदर्शन करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- जे-पाल साउथ एशिया और आरएसपीसीबी ऐसे समाधानों का डिज़ाइन, परीक्षण, कार्यान्वयन और स्केल-अप करने के लिये मिलकर काम करेंगे, जो वायु और जल प्रदूषण को कम करने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।
- SARWA की सलाहकार और जे-पाल की प्रतिनिधि प्रोफेसर नम्रता काला ने कहा कि वायु और जल प्रदूषण आर्थिक विकास और जीवन प्रत्याशा के लिये एक गंभीर बाधा है। आशा है कि SARWA गरीबी से लड़ने और सभी भारतीयों के लिये पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार लाने में एक नई गति को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- उल्लेखनीय है कि SARWA के तहत जे-पाल दक्षिण एशिया राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर सरकारों के साथ काम करेगा, ताकि प्रभावशाली वायु और जल नीतियों को डिज़ाइन करने के लिये वैज्ञानिक साक्ष्य और डेटा को अपनाने में तेजी लाई जा सके।
- विदित है कि यह कार्यक्रम गांधीनगर में जे-पाल साउथ एशिया द्वारा, कम्युनिटी जमील के साथ साझेदारी में आयोजित एक कार्यक्रम में लॉन्च किया गया।

इंदिरा रसोई योजना (ग्रामीण) का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 10 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रियंका गांधी ने टोंक ज़िले के निवाई स्थित झिलाय से पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के नाम से लाई गई 'इंदिरा रसोई योजना (ग्रामीण)' के तहत पूरे प्रदेश में 400 ग्रामीण इंदिरा रसोइयों का शुभारंभ किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि शहरों में सार्वजनिक, धार्मिक, व्यावसायिक स्थलों एवं कच्ची बस्तियों के आस-पास इंदिरा रसोई खुलने से मज़दूरों, विद्यार्थियों, कामकाजी लोगों को मात्र 8 रुपए में पौष्टिक भोजन मिल रहा है।
- राज्य सरकार ने 'कोई भूखा न सोए' की संकल्पना को साकार करने के लिये इंदिरा रसोइयों का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में किया है। इंदिरा रसोई योजना (ग्रामीण) के तहत आज पूरे प्रदेश में 400 ग्रामीण इंदिरा रसोईयों का शुभारंभ किया गया है। 25 सितंबर तक इनकी संख्या बढ़ाकर 1000 कर दी जाएगी।
- विदित है कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश के नगरीय निकायों में करीब 1000 इंदिरा रसोई के सफल संचालन के बाद उपयोगिता को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र में भी 1000 रसोइयाँ प्रारंभ करने की बजट 2023-24 में घोषणा की थी। इस योजना में वर्षभर में 1000 रसोईं से ग्रामीण क्षेत्र में ज़रूरतमंदों को करीब 7 करोड़ 30 लाख भोजन थालियाँ परोसने का लक्ष्य रखा गया है।
- शहरी क्षेत्रों की करीब 1000 इंदिरा रसोईं से अब तक 13 करोड़ से अधिक पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन की थालियाँ आमजन को परोसी जा चुकी हैं। इंदिरा रसोई योजना में भामाशाहों द्वारा भी भोजन प्रायोजित किया जा सकता है।
- नगरीय क्षेत्रों में संचालित इंदिरा रसोई योजना से गरीब एवं ज़रूरतमंद लोगों को मात्र 8 रुपए में सुविधापूर्ण वातावरण में सम्मानपूर्वक पौष्टिक भोजन मिल रहा है। इस योजना का लाभ विद्यार्थियों एवं श्रमिकों सहित सभी वर्ग के लोगों को मिल रहा है। यह महँगाई के दौर में बाहर से आने वाले विद्यार्थियों एवं कार्मिकों एवं हर ज़रूरतमंद के लिये एक वरदान साबित हो रही है।

भामाशाह सम्मान समारोह में 142 भामाशाहों को किया गया सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

11 सितंबर, 2023 को राजस्थान के शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित 27वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में 142 भामाशाहों को सम्मानित किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग भामाशाहों द्वारा प्राप्त दान का उपयोग स्कूलों के गुणात्मक सुधार और विस्तार के लिये कर रहा है। साथ ही कई योजनाएँ जैसे नि:शुल्क शिक्षा, मिड डे मील, बाल गोपाल योजना, स्कूल ड्रेस योजना का संचालन भी सुचारु रूप से किया जा रहा है।
- उन्होंने निर्देश दिया कि हर विद्यालय की मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट कमेटी में भामाशाहों के प्रतिनिधि का होना अनिवार्य हो।
- शिक्षा विभाग की प्रमुख योजनाओं के कारण राज्य स्कूली शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक में अग्रणी है व गत वर्ष शिक्षा विभाग ने 6 विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किये हैं। साथ ही, इंस्पायर अवार्ड में राज्य के विद्यार्थी लगातार तीन वर्ष से पूरे देश में प्रथम आ रहे हैं।
- विदित है कि हर वर्ष शिक्षा विभाग की ओर से लगभग 400 करोड़ रुपए का व्यय शिक्षण संस्थानों की आधारभूत संरचना के लिये किया जाता है, जिसमें भामाशाहों का योगदान महत्त्वपूर्ण है।
- समारोह में शिक्षा मंत्री द्वारा राज्य स्तर पर 142 भामाशाहों को सम्मानित किया गया, जिनमें से 34 भामाशाहों को शिक्षा विभूषण तथा 108 भामाशाहों को शिक्षा भूषण सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही 30 लाख रुपए या अधिक सहयोग राशि के लिये दानवीरों को प्रेरित करने वाले 'प्रेरकों' को भी सम्मानित किया गया।

नोट :

- इस अवसर पर शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने बताया कि विभाग का नवाचार 'मिशन स्टार्ट' एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जिसमें ई-कक्षा द्वारा विद्यार्थियों को हर विषय का ई-कंटेंट उपलब्ध कराया जा रहा हैं। इस नवाचार के लिये उन्होंने भामाशाहों के योगदान का आह्वान किया।
- कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री द्वारा प्रशस्ति पुस्तिका और ज्ञान संकल्प पोर्टल स्मारिका 2023 का विमोचन किया गया।
- उल्लेखनीय है कि प्रशस्ति पुस्तिका में भामाशाहों द्वारा किये गए योगदान और कार्यों का वर्णन किया गया है।

राज्यपाल ने किया अमृत वाटिका का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

11 सितंबर, 2023 को राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने बीकानेर ज़िले में स्थित महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में 'हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएँ और चुनौतियाँ'विषयक राष्ट्रीय सेमिनार के समापन पर अमृत वाटिका का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा अमृत महोत्सव के तहत अमृत वाटिका तैयार की गई है तथा इसके पौधों के साथ बीकानेर संभाग के शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के शिला फलक लगाकर पौधों का नामकरण शहीदों और सेनानियों के नाम पर किया गया है। यह युवाओं के लिये प्रेरणादायक होगा।
- अमृत वाटिका में संभाग के 137 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया गया है। इसमें बीकानेर ज़िले के 22, चूरू ज़िले के 90, श्रीगंगानगर ज़िले के 12 तथा हनुमानगढ़ ज़िले के 13 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम सम्मिलित हैं।

ब्रजभाषा रचनाकार सम्मान समारोह

चर्चा में क्यों ?

- 12 सितंबर, 2023 को कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के अंतर्गत राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी के द्वारा जयपुर में झालाना स्थित अकादमी संकुल परिसर में ब्रजभाषा रचनाकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें ब्रजभाषा रचनाकार प्रतियोगिता 2023 के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम में आलेख विधा में प्रथम स्थान पर डॉ. रामदास शर्मा, द्वितीय स्थान पर निर्मल कुमार सिंहल एवं तृतीय स्थान पर अश्विनी गोयल, समस्यापूर्ति विधा में प्रथम स्थान पर अभिषेक, द्वितीय स्थान पर कमल सिंह कमल एवं तृतीय स्थान पर कल्याण गुर्जर को पुरस्कृत किया गया।
- वहीं, लघुकथा कहानी विधा में प्रथम स्थान पर जगदीश मोहन रावत, द्वितीय स्थान पर रघुराज सिंह कर्मयोगी एवं तृतीय स्थान पर गोपीनाथ, संस्मरण विधा में प्रथम स्थान पर राजाराम भादू, द्वितीय स्थान पर किशनवीर यादव एवं तृतीय स्थान पर अनन्या को पुरस्कृत किया गया।
- इसी तरह लोकधुन पर आधारित लोकगीत विधा में प्रथम स्थान पर हरिशचंद्र हरि, द्वितीय स्थान पर शिवराम शिव एवं तृतीय स्थान पर सर्वोत्तम त्रिवेदी को पुरस्कृत किया गया।
- उल्लेखनीय है कि ब्रजभाषा की पाँच साहित्य विधाओं के अंतर्गत 15 विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी विधाओं में प्रथम विजेता को 11000 रुपए, द्वितीय को 7100 रुपए और तृतीय स्थान प्राप्त विजेता को 3100 रुपए की राशि से पुरस्कृत किया गया।
- समारोह में ब्रजभाषा की त्रैमासिक पत्रिका 'ब्रजशतदल', प्रमिला गंगल का ब्रजभाषा बालकाव्य संग्रह 'बरजसखा'एवं ब्रजभाषा साहित्यकार नरेंद्र निर्मल की 'परिचौ पोथी'का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने विश्व के पहले हैरिटेज रिवर फ्रंट का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 12 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के कोटा शहर में विश्व के पहले हैरिटेज चंबल रिवर फ्रंट का लोकार्पण किया।

नोट :

नोट :

नोट :

प्रमुख बिंदु

- चंबल रिवर फ्रंट भारत में विकसित प्रथम हैरिटेज रिवर फ्रंट है, इससे कोटा में देशी-विदेशी पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा।
- कोटा शहर में कोटा बैराज से नयापुरा पुलिया तक 2.75 किमी. की लंबाई में चंबल नदी के दोनों तटों पर 1400 करोड़ रुपए की लागत से चंबल रिवर फ्रंट विकसित किया गया है। इसके बनने से चंबल नदी के किनारे बसीं सभी बस्तियाँ बाढ़ से मुक्त हो चुकी हैं।

नोट :

- रिवर फ्रंट के दोनों तटों पर 27 घाटों का निर्माण किया गया है, जिनमें चंबल माता घाट, गणेश पोल, मरू घाट, जंतर-मंतर घाट, विश्व मैत्री घाट, हाड़ौती घाट, महात्मा गांधी सेतु, कनक महल, फव्वारा घाट, रंगमंच घाट, साहित्य घाट, उत्सव घाट शामिल हैं। साथ ही, सिंह घाट, नयापुरा गार्डन, जवाहर घाट, गीता घाट, शांति घाट, नंदी घाट, वेदिक घाट, रोशन घाट, घंटी घाट, तिरंगा घाट, शौर्य घाट, राजपूताना घाट, जुगनु घाट, हाथी घाट और बालाजी घाट शामिल हैं।
  - जवाहर घाट: इस घाट पर पं. जवाहर लाल नेहरू जी का गन मेटल से बना फेस मास्क लगाया गया है, जो कि 32 फीट ऊँचा एवं 25 टन वजनी है। पर्यटक मूर्ति की आँख के तल पर चढ़कर नेत्रों से पूर्वी तट के घाटों एवं चंबल माता की मूर्ति को निहार सकते हैं।
  - गीता घाट: गीता घाट में वियतनाम मार्बल के पट्टिका में गीता के संपूर्ण 18 अध्याय के समस्त 700 श्लोकों को उकेरा गया है।
  - शांति घाट: इस घाट पर योग मुद्रा में इनविजिबल स्कलप्चर लगाया गया है, जिसमें मानव शरीर के सातों चक्रों को दर्शाया गया है।
  - नंदी घाट: इस घाट पर नंदी की 25 फीट लंबी, 15 फीट चौड़ी एवं 20 फीट ऊँची (अधिकतम ऊँचाई) की प्रतिमा लगाई गई है।
  - वेदिक घाट: इस घाट पर पंच तत्त्वो को दर्शाते हुए, बाडोली शैली में 5 मंदिरों का निर्माण किया गया है।
  - रोशन घाट: इस घाट में इस्लामिक फेज की वास्तुकला को दर्शाया गया है। इसके बीच में जन्नती दरवाज़े का निर्माण किया गया है।
  - घंटी घाट: इसमें विश्व का सबसे बड़ा धातु का घंटा लगाया गया है।
  - तिरंगा घाट: इस घाट पर भारत का विशाल राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया है।
  - शौर्य घाट: यह पश्चिमी छोर का प्रवेश द्वार है। इस चौक में विशाल पार्किंग, पर्यटकों के लिये इन्फॉरमेशन सेंटर, रेस्टोरेंट आदि की व्यवस्था की गई है।राजपूताना घाट: इस घाट में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे- मेवाड़, मारवाड़, ढूंढाड़, बांगड़, हाड़ौती क्षेत्र की विभिन्न इमारतों की प्रतिकृतियाँ बनाई गई हैं, जैसे-पोद्दार हवेली, जगमंदिर, जगनिवास, गणगौरी घाट, हवामहल, गणेशपोल, सरगासुली, विजय स्तंभ, ब्रह्मा मंदिर, रणकपुर, पटवा हवेली आदि का निर्माण किया गया है।
  - जुगनु घाट: इस घाट में एल.ई.डी. के फ्लोरा एंड फॉना निर्माण किया गया है। इसमें एक ओपन थियेटर का भी निर्माण किया गया है।
  - हाथी घाट: इसमें प्राकृतिक चट्टानों पर सफेद मार्बल के हाथी लगाए गए हैं।
  - बालाजी घाट: इस घाट पर बटक बालाजी का मंदिर का निर्माण किया गया है एवं पूर्व में निर्मित ऐतिहासिक मंदिरों की धरोहर को भी संरक्षित किया गया है।
- कोटा में विकसित चंबल रिवर फ्रंट आर्किटेक्ट का देशभर में अद्वितीय नमूना है। इस पर विकास के साथ पर्यटन, रोज़गार, पर्यावरण संरक्षण के साथ नदी के सौंदर्यीकरण जैसे कार्य किये गए हैं।
- यहाँ पर चंबल माता की 225 फीट ऊँची संगमरमर की मूर्ति भी स्थापित की गई है।
- चंबल रिवर फ्रंट के जवाहर घाट पर पं. जवाहर लाल नेहरू का विश्व का सबसे बड़ा गन मेटल का मुखौटा बनाया गया है। साथ ही, दुनिया का सबसे बड़ा नंदी भी यहाँ बना है।
- इसी प्रकार, एक बगीचे में 10 अवतारों की मूर्ति लगाई गई है तथा बुलंद दरवाजे से ऊँचा दरवाजा बनाया गया है। राजपूताना घाट पर राजस्थान के 9 क्षेत्रों की वास्तुकला व संस्कृति को दर्शाया गया है।
- मुकुट महल में 80 फीट ऊँची छत है तथा यहाँ पर सिलिकॉन वैली भी है।
- ब्रह्मा घाट पर विश्व की सबसे बड़ी घंटी बनाई गई है जिसकी आवाज 8 किमी. दूर तक सुनी जा सकेगी।
- साहित्यिक घाट पर पुस्तक, प्रसिद्ध लेखकों की प्रतिमाएँ भी स्थापित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कोटा में ऑक्सीजोन सिटी पार्क का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 13 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के कोटा ज़िले में ऑक्सीजोन सिटी पार्क (द गार्डन ऑफ जॉय) का लोकार्पण किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वाणिज्यिक कर विभाग के नवनिर्मित कर भवन कोटा और दी कोटा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड कोटा के नवनिर्मित प्रधान कार्यालय एवं नवीन शाखा भवन की लोकार्पण पट्टिका का अनावरण भी किया।
- इस पार्क में कोटावासियों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को खुशनुमा माहौल मिलेगा। यहाँ नेचर और म्यूजिक के बीच घूमकर तनावमुक्त होंगे। पार्क में दोनों प्रवेश द्वारों पर विशाल फाउंटेन भी बनाया गया है।

- ऑक्सीजोन सिटी पार्क की खासियत:
  - 120 करोड़ रुपए की लागत से यह पार्क बना है। इसके निर्माण कार्य में 800 दिन लगे हैं।

नोट :

- 30 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किये गए पार्क में 4 किमी. पक्का ट्रैक एवं 1.25 किमी. नहर के सहारे जॉगिंग ट्रैक है। यहाँ 1.04 किमी. व 12-15 मीटर चौड़ाई की एक कैनाल भी है।
- पार्क में 2 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं तथा 200 विदेशी-देशी पक्षियों के लिये 1 पक्षीशाला (ऐवियरी) का निर्माण किया गया है।
- इस पार्क में 85 प्रतिशत हरियाली प्राकृतिक तरीके से विकसित की गई है।
- यहाँ 15 मीटर ऊँची गन मेटल से प्रतिमाएँ (ट्री मेन, नॉलेज इज़ फ्रीडम, सेव द अर्थ) बनाई गई हैं तथा 13 गुना 28 मीटर का एक ग्लास हाउस का निर्माण किया गया है।
- यहाँ 1 आर्टिफिशियल पहाड़ी (आर्ट हिल), 12 गुना 12 मीटर एवं 9 मीटर ऊंचा इन्वर्टेड पिरामिड पर 3डी मेपिंग, 10 मीटर की ऊँचाई पर 45 गुना 40 मीटर का डक पौंड, 320 मीटर लंबाई में 1 झरना, 2 स्टोन ब्रिज, 1 वुडनब्रिज, 1 रेम्पब्रिज, पार्क में नहर के ऊपर फूड ज़ोन, कैफे, सिटी बाज़ार, एम्पीथियेटर, किड्स ज़ोन, ओपन जिम का निर्माण किया गया है।

राज्यस्तरीय हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

14 सितंबर, 2023 को राजस्थान के भाषा एवं पुस्तकालय विभाग की ओर से जयपुर के बिड़ला सभागार में राज्यस्तरीय हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

नोट :

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने तीन लेखकों सहित माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षाओं में हिन्दी विषय में शत-प्रतिशत अंक लाने वाले 440 छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया गए।
- हिन्दी में उत्कृष्ट एवं मौलिक लेखन को बढ़ावा देने के लिये शुरू किये गए हिन्दी सेवा पुरस्कार से हिन्दी साहित्य विधा में डॉ. फतेह सिंह भाटी को उनकी कृति 'उमा दे, विज्ञान विधा में राजश्री विनोद बोथले को उनकी कृति 'नौ संचालन उपग्रह प्रणाली: एक परिचय'एवं डॉ. सत्यवीर सिंह व रामविलास को कृषि विधा में उनकी पुस्तक 'आधुनिक तकनीकी द्वारा किसानों की आय वृद्धि'के लिये सम्मानित किया गया।
- हिन्दी सेवा पुरस्कार में प्रत्येक विधा में 50 हज़ार रुपए का चेक, प्रमाण-पत्र, अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट किया गया।
- इस अवसर पर विभाग द्वारा प्रकाशित विभागीय पत्रिका 'भाषा विमर्श'के हिन्दी विशेषांक का विमोचन शिक्षा मंत्री द्वारा किया गया।

राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2023 के प्रारूप का अनुमोदन

चर्चा में क्यों ?

- 16 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, भविष्य की ज़रूरतों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ ऊर्जा स्रोत की तलाश और निवेशकों के प्रोत्साहन के लिये 'राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2023' के प्रारूप का अनुमोदन कर दिया है। ऊर्जा विभाग द्वारा शीघ्र ही अधिसूचना जारी की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री के इस निर्णय से राज्य में ग्रीन एनर्जी उत्पादन करने वाली कंपनियों को विभिन्न प्रकार की सब्सिडी मिलेगी। प्रदेश में रोज़गार के अवसर भी बढ़ेंगे।
- विदित है कि राजस्थान में अक्षय ऊर्जा के सर्वाधिक स्रोत उपलब्ध हैं। राज्य ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिये अत्यंत अनुकूल है।
- राज्य सरकार नीति के तहत निवेशकों को प्रोत्साहन देने के लिये विभिन्न सुविधाएँ देगी। इनमें राज्य के प्रसारण तंत्र पर स्थापित होने वाले 500 केटीपीए अक्षय ऊर्जा प्लांट को 10 वर्षों तक प्रसारण एवं वितरण शुल्क में 50 प्रतिशत छूट, थर्ड पार्टी से अक्षय ऊर्जा खरीदने पर अतिरिक्त एवं क्रॉस सब्सिडी सरचार्ज में 10 वर्ष तक पूर्ण छूट दी जाएगी।
- परिशोधित या खारे जल से ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिये भूमि आवंटन में प्राथमिकता एवं अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिये 30 प्रतिशत (अधिकतम 5 करोड़ रुपए) अनुदान मिलेगा।

नोट :

- इसके अतिरिक्त रिप्स-2022 के तहत विभिन्न छूट, जल की उपलब्धता एवं बैंकिंग सुविधाएँ भी दी जाएंगी। कैप्टिव पावर प्लांट की क्षमता एवं उत्पादित बिजली की बैंकिंग पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। साथ ही, पीक आवर्स के दौरान बिजली निकासी पर लगी रोक भी नवीन नीति में हटा दी गई है।
- 'राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2023' के तहत नई नीति में विद्युत संयंत्रों के लिये व्हीलिंग एवं ट्रांसमिशन शुल्क की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति/छूट होगी। इसके साथ ही बिजली संयंत्रों के लिये बैंकिंग शुल्क भी सात से दस वर्षों तक प्रतिपूर्ति/माफ किया जाएगा।
- 'राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2023' के तहत ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर को राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2022 के तहत थ्रस्ट सेक्टर में शामिल किया जाएगा। साथ ही, इसे सनराइज सेक्टर में शामिल कर मैन्युफैक्चरिंग स्टैंडर्ड पैकेज के परिलाभ दिये जाएंगे।
- उल्लेखनीय है कि ऊर्जा विभाग द्वारा नीति के प्रारूप को पब्लिक डोमेन में जारी कर हितधारकों से सुझाव लिये गए थे। महत्त्वपूर्ण सुझावों को शामिल किया गया है।
- राज्य सरकार ने नीति में वर्ष 2030 तक 2000 केटीपीए ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इसमें 4 श्रेणियों में परियोजनाएँ स्थापित होंगी।
- इनमें अक्षय ऊर्जा का निकास पावर ग्रिड के नेटवर्क के द्वारा, एक ही स्थान पर अक्षय ऊर्जा एवं हाइड्रोजन का उत्पादन (700 केटीपीए), अक्षय ऊर्जा का 24 घंटे उत्पादन आरटीसी पावर (800 केटीपीए) और अक्षय ऊर्जा का निवास आरवीपीएन के नेटवर्क के द्वारा (500 केटीपीए) शामिल हैं।
- क्या है ग्रीन हाइड्रोजन :
  - ग्रीन हाइड्रोजन पुनर्नवीनीकरण/अक्षय ऊर्जा का नवीन एवं उदीयमान क्षेत्र है। इसमें अक्षय ऊर्जा के उपयोग से जल को इलेक्ट्रोलिसिस कर हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है। इसलिये इसे 'ग्रीन हाइड्रोजन' कहा जाता है।
  - हाइड्रोजन का मुख्य उपयोग रिफाइनरी, स्टील प्लांट तथा अमोनिया बनाने में होता है। देश में कुल हाइड्रोजन की मांग 60 लाख टन है, जबकि राजस्थान में 2.5 लाख टन है। इसका निर्माण प्रदूषण मुक्त होता है।
  - ज्ञातव्य है कि केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2022 और मिशन जारी किया जा चुका है। इसमें वर्ष 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

जयपुर में स्थापित होगी राजस्थान स्टेट फेकल्टी डेवलपमेंट एकेडेमी (RSFDA)

चर्चा में क्यों ?

- 18 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक सुधार एवं उन्मुखीकरण के लिये जयपुर में राजस्थान स्टेट फेकल्टी डेवलपमेंट एकेडेमी (RSFDA) स्थापित किये जाने की मंजूरी दी है।

प्रमुख बिंदु

- राजस्थान स्टेट फेकल्टी डेवलपमेंट एकेडेमी के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार एवं शिक्षकों के उन्मुखीकरण तथा गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षणों के लिये राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थाओं से एमओयू किया जाएगा।
- प्रशिक्षणों का आयोजन एचसीएम-रीपा, आईजीपीआरएस, एचआरडीसी, राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महात्मा गांधी विद्यापीठ-कनक भवन आदि संस्थानों में किया जाएगा।
- अकादमी का भवन निर्मित होने तक इसका संचालन कनक भवन स्थित महात्मा गांधी विद्यापीठ-गांधी अध्ययन केंद्र में किया जाएगा। शीघ्र ही अकादमी को सोसायटी अधिनियम के तहत पंजीकृत करवाया जाएगा एवं तब तक राजसेस के तहत इसका संचालन होगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट

नोट :

पुरस्कारों की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

- 18 सितंबर, 2023 को राजस्थान ललित कला अकादमी की 64वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी के निर्णायक मंडल ने राज्य के 10 कलाकारों की कलाकृतियों को पुरस्कार योग्य घोषित किया है।

प्रमुख बिंदु

- अकादमी सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि डॉ. अमिता राज गोयल (रिक्रियेटिंग नेचर-2), दिशांक शर्मा (स्मृति), महेश कुमार कुमावत (सनातन), शिखा (देयर ईज समथिंग), सोम्य यादव (साईनम ऑफ सैल्फ), नकुल गोदारा (शेडो), अमर प्रजापत (जयपुर अरावली-1), प्रभु लाल गमेती (अनटाईडल्ड-2), उदित अग्निहोत्री (किंगडम) तथा दीपिका रावजानी (लाईफ एंड डेथ) को उनकी कलाकृतियों के लिये पुरस्कृत किया गया।
- प्रदर्शनी के लिये राज्य भर से 169 कलाकारों की 505 चित्र एवं मूर्तिशिल्प प्राप्त हुई थी, जिसमें निर्णायक मंडल ने 64 कलाकारों की 78 कलाकृतियों का चयन किया। इनमें पुरस्कृत कलाकृतियाँ भी सम्मिलित हैं।
- प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर पुरस्कृत 10 कलाकारों को पच्चीस-पच्चीस हज़ार रुपए के नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये जाएंगे।

25 लाख पशुपालकों को पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान के लिये मिलेगा अनुदान

चर्चा में क्यों ?

- 18 सितंबर, 2023 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के 25 लाख पशुपालकों को एक-एक पशु (गाय/भैंस) के लिये कृत्रिम गर्भाधान करवाने हेतु 50 प्रतिशत या 500 रुपए की सीमा तक अनुदान दिये जाने की स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री की इस स्वीकृति से पशुपालकों को उन्नत नस्ल के पशु प्राप्त हो सकेंगे।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023-24 में 5 लाख कृत्रिम गर्भाधान किये जाने हेतु 36.65 करोड़ रुपए के बजट प्रावधान की सैद्धांतिक स्वीकृति भी प्रदान की है।
- पशुपालन विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 में सेक्स सोर्टेड सीमेन से 5 लाख कृत्रिम गर्भाधान किया जाना प्रस्तावित है।
- विदित है कि भारत सरकार द्वारा प्रति डोज की कीमत वर्तमान में 675 रुपए निर्धारित है। इस प्रकार, 5 लाख डोज खरीदने के लिये 33.75 करोड़ रुपए एवं अन्य संसाधनों के लिये 2.90 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है।
- मुख्यमंत्री ने प्रति कृत्रिम गर्भाधान पर 335 रुपए अनुदान दिये जाने एवं 340 रुपए पशुपालकों से लिये जाने अथवा प्रति गर्भाधान 50 प्रतिशत या 500 रुपए की सीमा में अनुदान दिये जाने की मंजूरी दी है। इससे राज्य सरकार पर वर्ष 2023-23 में 16.75 करोड़ रुपए का भार आएगा।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने इस संबंध में बजट वर्ष 2023-24 में घोषणा की थी।

सोला में 132 केवी जी.एस.एस. व 33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन मीरण का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

19 सितंबर, 2023 को राजस्थान के ऊर्जा मंत्री भँवर सिंह भाटी एवं पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री व लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदेश के सीकर ज़िले के लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सोला में 132 केवी जी.एस.एस. एवं मीरण में 33 केवी ग्रीड सब-स्टेशन का लोकार्पण किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इन विद्युत स्टेशनों के निर्माण से विद्युत वितरण तंत्र में मजबूती आएगी एवं क्षेत्र में अच्छी गुणवत्ता पूर्वक विद्युत आपूर्ति होगी, उपभोक्ताओं को ट्रिपिंग की समस्या से निजात मिलेगी तथा बिजली छीजन में भी कमी आएगी।
- सोला सब स्टेशन के निर्माण से इस क्षेत्र में विद्युत प्रसारण तंत्र की सुदृढ़ता बढ़ेगी तथा सोला, गाडोदा, जाजोद, नरसास, पाटोदा, तिडोकी, मंगलूना एवं आस-पास के क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति में समुचित सुधार होगा।
- इस अवसर पर लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में 38 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल और 101 स्कूलों को क्रमोन्नत किया गया तथा खेल मैदान के विकास के लिये 5 एलईडी लाईटें, टीन शेड, सीसी सड़क, नाली निर्माण, पानी की टंकी के निर्माण के लिये राशि स्वीकृत कराने की घोषणा की गई।

जोधपुर में होगा राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का राज्यस्तरीय आयोजन

चर्चा में क्यों ?

- 20 सितंबर, 2023 को राजस्थान खेल विभाग के शासन सचिव नरेश कुमार ठकराल ने बताया कि राज्यस्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन आगामी 25 से 28 सितंबर तक जोधपुर ज़िले में होना प्रस्तावित है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य स्तर पर कुल 50 ज़िलों में इस खेल में 11 वर्गों (कबड्डी, शूटिंग, वालीबॉल, टेनिस बॉल क्रिकेट, खो-खो, फुटबॉल, रस्सा-कशी, एथलेटिक्स-100 मीटर, एथलेटिक्स-200 मीटर, एथलेटिक्स- 400 मीटर एवं बास्केटबॉल) में ग्रामीण एवं शहरी दोनों स्तर से कुल 7 हज़ार 556 खिलाड़ियों को चुना गया है, जिनमें 4 हज़ार 91 महिला वर्ग से एवं 3 हज़ार 565 पुरुष वर्ग से हैं।
- इन खेलों का इसके पूर्व 5 से 10 अगस्त तक ग्रामीण एवं पंचायत स्तर पर, 17 से 22 अगस्त तक ब्लॉक स्तर पर एवं 1 से 6 सितंबर तक ज़िला स्तर पर सफल आयोजन हो चुका है।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा वर्ष 2023-2024 की अनुपालना में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिये 150 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है।

नोट :

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 63 प्रस्तावों को मिली मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

- 20 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित हुई, जिसमें 63 प्रस्तावों पर मुहर लगी।

प्रमुख बिंदु

- बैठक में मंत्रिमंडल ने प्रदेश में शैक्षणिक उत्थान तथा सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिये 200 से अधिक सामाजिक संस्थाओं को छात्रावास, वृद्धाश्रम, सामुदायिक केंद्र व अन्य सामाजिक कार्यों हेतु रियायती दर पर भूमि आवंटित करने का महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस प्रस्ताव के अनुमोदन से इन सभी संस्थाओं को अब आरक्षित दर की 10 प्रतिशत राशि पर भूमि आवंटित की जा सकेगी।
- मंत्रिमंडल ने राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2017 में संशोधन को स्वीकृति दी है। इससे चतुर्थ श्रेणी सेवा, मंत्रालयिक सेवा, अधीनस्थ सेवा एवं राज्य सेवा के समस्त कार्मिकों को 9, 18, 27 वर्ष की संतोषजनक सेवा पूर्ण करने पर एसीपी योजना के अंतर्गत पदोन्नति पद का वित्तीय उन्नयन देय होगा।
- मंत्रिमंडल ने संवेदनशील निर्णय लेते हुए कोविड-19 के कारण अनाथ हुए बालक-बालिकाओं को वयस्क होने पर सरकारी नौकरी दिये जाने के लिये विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी है।
  - इस स्वीकृति से ऐसे अनाथ बालक/बालिका नियुक्ति प्राप्त कर सकेंगे, जिनके जैविक अथवा दत्तक ग्रहण करने वाले माता-पिता की मृत्यु कोविड के कारण 31 मार्च, 2023 अथवा इससे पूर्व हो चुकी हो।
  - साथ ही, ऐसे अनाथ बालक/बालिका, जिसके माता या पिता में से किसी एक की मृत्यु पूर्व में हो चुकी हो तथा दूसरे की मृत्यु कोरोना के कारण 31 मार्च, 2023 या उससे पूर्व हुई हो एवं अनाथ होने के समय जिसकी आयु 18 वर्ष से अधिक नहीं हो, के भी वयस्क होने पर पे मैट्रिक्स एल-9 तक के पदों पर नियुक्ति प्रदान की जा सकेगी।
- आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के अभ्यर्थियों को अब राजस्थान स्टेट इंजीनियरिंग सर्विसेज में भी अन्य आरक्षित वर्गों के समान आयु सीमा में छूट मिलेगी। मंत्रिमंडल ने राजस्थान स्टेट इंजीनियरिंग सर्विसेज (डायरेक्ट रिक्रूटमेंट बाय कंबाइंड कंपटीटिव एग्जामिनेशन) रूल्स 1991 में 16 अप्रैल, 2021 को जारी अधिसूचना के प्रावधान को लागू करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।
  - उल्लेखनीय है कि उक्त सेवा नियम अप्रैल 2021 की अधिसूचना में शामिल होने से रह गया था। अब इस सेवा नियम में ईडब्ल्यूएस के पुरुष अभ्यर्थियों को आयु सीमा में 5 वर्ष एवं महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष की छूट मिल सकेगी।
- मंत्रिमंडल ने राजस्थान ग्रामीण विकास राज्य सेवा के अधिकारियों को पदोन्नति के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिये 'राजस्थान ग्रामीण विकास राज्य सेवा नियम-2007' में आवश्यक संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।
  - इस स्वीकृति से इस सेवा के अधिकारी, जो वर्तमान में वरिष्ठ वेतन श्रृंखला के पद पर कार्यरत् हैं तथा राजस्थान ग्रामीण विकास राज्य सेवा में 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके हैं, उन्हें चयनित वेतन श्रृंखला के पद पर पदोन्नति प्राप्त हो सकेगी।
- विभिन्न राज्य सेवाओं में पदोन्नति के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के लिये मंत्रिमंडल ने 'राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2017' में संशोधन के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी है। इस स्वीकृति से पुरातत्त्व एवं संग्रहालय, रोज़गार, आबकारी, वन, पर्यटन तथा उद्योग विभागों में अतिरिक्त पदोन्नति के अवसर एवं उनके वेतनमान उपलब्ध हो सकेंगे।

नोट :

- मंत्रिमंडल ने 'राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2023' का अनुमोदन किया है। राज्य में ग्रीन हाइड्रोजन आधारित परियोजनाओं से वर्ष 2030 तक 2000 केटीपीए क्षमता के परियोजना स्थापना तथा इनसे संबंधित उपक्रमों की निर्माण इकाईयों से राज्य में निवेश एवं रोज़गार के लिये संभावनाएँ बढ़ेंगी।
  - उल्लेखनीय है कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा एवं सौर ऊर्जा क्षमता स्थापना में देश मंज़ प्रथम स्थान पर है। साथ ही राजस्थान में ग्रीन हाइड्रोजन के लिये अनुकूल परिस्थितियाँ मौजूद हैं।
- मंत्रिमंडल ने बायोमास एवं वेस्ट से ऊर्जा उत्पादन एवं थर्मल पावर प्लांट में बायोमास की को-फायरिंग को प्रोत्साहन देने के लिये 'राजस्थान बायोमास एवं वेस्ट टू एनर्जी नीति-2023' का अनुमोदन किया है।
  - इससे राज्य में अवशेष बायोमास एवं कचरे से विद्युत उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे राज्य में अवशेष बायोमास को जलाने की आवश्यकता नहीं होगी तथा ठोस कचरे का भी बेहतर निस्तारण हो पाएगा।
- मंत्रिमंडल ने बजट घोषणा के क्रम में जोधपुर में 'राजस्थान राज्य क्रीड़ा संस्थान' की स्थापना के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। इससे राज्य में अत्याधुनिक खेल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित हो सकेगा। खिलाड़ियों को उचित ढंग से व्यवस्थित खेल प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।
- मंत्रिमंडल ने राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) द्वारा सरकार के लिये औषधियों एवं उपकरणों की खरीद कर आपूर्ति किये जाने से प्राप्त 5 प्रतिशत सरचार्ज/लाभांश को बढ़ाकर 11 प्रतिशत किये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।
- इस स्वीकृति से आरएमएससीएल की कार्य योजनाओं में विस्तार के अंतर्गत बजट घोषणा के क्रम में चिकित्सा संस्थानों का निर्माण किया जा सकेगा।
- मंत्रिमंडल ने शिल्प एवं माटी कला बोर्ड का नाम 'श्री यादे माटी कला बोर्ड' किये जाने का फैसला लिया है। बोर्ड मिट्टी से काम करने वाले दस्तकारों की आय में वृद्धि, तकनीकी प्रशिक्षण एवं उन्नत किस्म के औजार उपलब्ध कराने, मेलों एवं प्रदर्शनियों से जोड़ने और आधारभूत सुविधाएँ विकसित करने के लिये कार्य करेगा।
- ने करमा बाई महिला राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, लक्ष्मणगढ़ (सीकर) का नाम करमा बाई राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, लक्ष्मणगढ़ (सीकर) किये जाने का निर्णय भी लिया गया है।

भारत निर्वाचन आयोग का नवाचार- प्रदेश में पहली बार विधानसभा आम चुनावों में होम वोटिंग की सुविधा

चर्चा में क्यों ?

- 21 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं के लिये प्रदेश में पहली बार विधानसभा आम चुनावों में होम वोटिंग की पहल की गई है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि समावेशी चुनाव की दिशा में आयोग ने यह नवाचार किया है। इसके तहत बूथ लेवल अधिकारी द्वारा घर-घर जाकर होम वोटिंग की सुविधा के लिये योग्य मतदाताओं को इसके संबंध में जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है।
- इन चुनावों में पात्र 18.05 लाख मतदाताओं को विकल्प के तौर पर ये सुविधा मिल सकेगी। यह सुविधा विकल्प के रूप में है। योग्य मतदाता यदि इस सुविधा का चयन करना चाहते हैं तो उन्हें चुनाव अधिसूचना जारी होने के 5 दिवस के भीतर बी.एल.ओ. द्वारा दिये गए 12-डी फॉर्म को भरकर बी.एल.ओ. को देना होगा।
- प्रवीण गुप्ता ने बताया कि होम वोटिंग का विकल्प चयन करने वाले इन मतदाताओं की सूची निर्वाचक अधिकारी द्वारा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई जाएगी तथा गठित मतदान दल इन मतदाताओं को पोस्टल बैलेट के ज़रिये मतदान करवाएगा।
- उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक आयु के 12 लाख 13 हज़ार 817 मतदाता एवं विशेष योग्यजन के रूप में 5 लाख 95 हज़ार मतदाता पंजीकृत हैं।

नोट :

राज्यपाल को छठे राज्य वित्त आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत

चर्चा में क्यों ?

- 21 सितंबर, 2023 को राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र को राजभवन में छठे राज्य वित्त आयोग का अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

प्रमुख बिंदु

- राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह के नेतृत्व में वित्त आयोग के सदस्य अशोक लाहोटी, सदस्य सचिव एस. सी. देराश्री, संयुक्त सचिव राजेश गुप्ता एवं सलाहकार शांतिलाल जैन ने राज्यपाल को वित्त आयोग की हस्ताक्षरित प्रति सौंपी।
- उल्लेखनीय है कि प्रद्युम्न सिंह की अध्यक्षता में इस आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 243 के अंतर्गत 12 अप्रैल, 2021 को किया गया था।
- इसमें पंचायतीराज संस्थाओं, शहरी निकायों को संविधान और पंचायती राज तथा राजस्थान नगरपालिका अधिनियम के अंतर्गत सौंपे गए मूलभूत कार्यों के संपादन हेतु राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता और इनके कार्यकलापों में सुधार लाने की सिफारिशों की व्यवस्था रहती है।

पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जोबनेर के लिये अधिसूचना जारी

चर्चा में क्यों ?

- 21 सितंबर, 2023 को मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसरण में राज्य सरकार ने जोबनेर में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की अधिसूचना जारी कर दी है।

प्रमुख बिंदु

- इससे पूर्व विधानसभा सत्र में पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने इससे संबंधित विधेयक विधानसभा में प्रस्तुत किया था, जो ध्वनिमत से पारित हो गया था।
- पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने बताया कि पूर्व में बीकानेर में पशु विज्ञान विश्वविद्यालय कार्यरत् है। जोबनेर में राज्य के दूसरे पशु विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। इससे ग्रामीण परिवारों के बच्चों को भी पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान की आधुनिकतम तकनीक से युक्त शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

नोट :

- पशुपालन मंत्री ने बताया कि राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य है, जहाँ दो पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय होंगे। पशुधन को बचाने एवं पशु चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये जोबनेर में राज्य का दूसरा पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय खोला जा रहा है।

जलदाय मंत्री ने किया 130 करोड़ रुपए की जल प्रदाय योजनाओं का शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

- 24 सितंबर, 2023 को राजस्थान के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने मुख्यमंत्री की बजट घोषणा 2023-24 में शामिल जयपुर की करीब 130 करोड़ रुपए की तीन पुनर्गठित शहरी जल प्रदाय योजनाओं का शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- इन योजनाओं में 46 करोड़ 37 लाख रुपए की पुनर्गठित जल प्रदाय योजना बाईजी की कोठी, मॉडल टाउन एवं आसपास के क्षेत्र में सुचारू पेयजल आपूर्ति के लिये पंप हाउस का जीर्णोद्धार, नए उच्च जलाशय का निर्माण, बाईजी की कोठी एवं मॉडल टाउन क्षेत्र में नई पाइप लाइन जोड़ने एवं बिछाने का कार्य होगा। इस क्षेत्र की 50 हज़ार की आबादी को इस योजना का लाभ मिलेगा।
- 44 करोड़ 30 लाख रुपए की पुनर्गठित शहरी जल प्रदाय योजना जगतपुरा (जयपुर) के तहत नए उच्च जलाशय, स्वच्छ जलाशय एवं पंप हाउस निर्माण तथा जगतपुरा क्षेत्र में नई पाइप लाइन जोड़ने एवं बिछाने का कार्य होगा।
- योजना में मनोहरपुरा कच्ची बस्ती में जेडीए द्वारा आवंटित भूमि पर 18 लाख लीटर क्षमता का उच्च जलाशय, 18 लाख लीटर का भूतल जलाशय, करीब 80 किलोमीटर क्षेत्र में पाइप लाइन बिछाने के साथ ही 5 हज़ार जल कनेक्शन पुन: जोड़ने के कार्य होंगे। इस क्षेत्र की 32 हज़ार आबादी को इस योजना का लाभ मिलेगा।
- 37 करोड़ 16 लाख रुपए की पुनर्गठित शहरी जल प्रदाय योजना गैटोर के तहत वर्तमान में स्थापित पंप हाउस का जीर्णोद्धार, नए उच्च जलाशय का निर्माण एवं संपूर्ण गैटोर क्षेत्र में नई पाइप लाइन जोड़ने एवं बिछाने के कार्य होंगे।
- इसमें उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय के पीछे सिद्धार्थ नगर में 15 लाख लीटर क्षमता का उच्च जलाशय, करीब 62 किलोमीटर में पाइप लाइन जोड़ने एवं बिछाने तथा 5500 जल संबंधों को बदलने के कार्य होंगे। करीब 30 हज़ार की आबादी को समुचित दबाव से शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

'गांधी वाटिका' का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 23 सितंबर, 2023 को राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा सांसद राहुल गांधी एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर के सेंट्रल पार्क में बनी 'गांधी वाटिका' का लोकार्पण किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- राज्य सरकार ने महात्मा गांधी के विचारों व मूल्यों से नई पीढ़ी को रूबरू करवाने के लिये यह अभिनव पहल की है।
- सेंट्रल पार्क में 85 करोड़ रुपए की लागत से बनी गांधी वाटिका की विषय वस्तु गांधीवादी विचारकों की समिति के मार्गदर्शन में तैयार की गई है। वाटिका के भूतल पर अंग्रेजों के भारत आगमन से लेकर गांधीजी के दक्षिण अफ्रीका प्रवास तक के कालखंड को 5 हिस्सों में अंकित किया गया है।
- वहीं प्रथम तल पर गांधीजी के भारत में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलनों एवं उनके दर्शन को प्रदर्शित किया गया है। द्वितीय तल पर विशेष पुस्तकालय, सेमिनार हॉल एवं कॉन्फ्रेंस कक्ष निर्मित किये गए हैं।
- कॉन्फ्रेंस कक्ष को क्रमश: 'राजस्थान ने पकड़ी गांधी की राह', 'गांधी: अपने आइने में मैं एवं 'गांधीजी के सपनों का संसार'तीन खंडों में बांटा गया है।
- भवन निर्माण में सादगी एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु विशेष रूप से मिट्टी की दीवारें तैयार की गई हैं।
- साथ ही वाटिका में 14 हज़ार पेड़-पौधे लगाए गए हैं। वाटिका में कैफेटेरिया, खुला नाट्य मंच, विमर्श कक्ष जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध होंगी।

कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 22 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब की तर्ज पर जयपुर में विधानसभा के पास स्थित विधायक नगर (पूर्व) की भूमि पर निर्मित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एचसीएम रीपा में बनने वाले ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट का शिलान्यास किया।
- विदित है कि राजस्थान में एक के बाद एक कई महत्त्वपूर्ण संस्थान स्थापित हो रहे हैं, जिनमें कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, गांधी म्यूज़ियम, फिनटेक यूनिवर्सिटी आदि शामिल हैं।
- कॉन्स्टीट्यूशन क्लब का निर्माण आवासन मंडल की एक अनूठी योजना है।

नोट :

- आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त यह देश का सबसे भव्य और सर्वश्रेष्ठ कॉन्स्टीट्यूशन क्लब है, जहाँ पर विधानसभा में चुनकर आने वाले नए सदस्यों को पूर्व सदस्यों के अनुभव का लाभ मिल सकेगा।
- कॉन्स्टीट्यूशन क्लब लोकतंत्र को मज़बूत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा विधानसभा सदस्यों के विचारों के आदान-प्रदान का मंच बनेगा।
- यह क्लब 4 हज़ार 950 वर्ग मीटर भूमि पर बनाया गया है। 1 लाख 84 हज़ार 480 वर्गफीट क्षेत्रफल में निर्मित इस क्लब के निर्माण पर 90 करोड़ रुपए की राशि व्यय होगी।
- क्लब में रेस्टोरेंट, कॉफी हाउस, स्विमिंग पूल, ऑडिटोरियम, मीटिंग हॉल, कॉन्फ्रेन्स हॉल, लाईब्रेरी, जिम, सैलून, बैडमिंटन एवं टेनिस कोर्ट, बिलियर्डस् व टेबल टेनिस, इंडोर गेम्स सहित अतिथियों के ठहरने के लिये गेस्ट रूम्स का भी प्रावधान किया जा रहा है।

नोट :

मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

25 सितंबर, 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर सांस्कृतिक एवं वैचारिक आदान-प्रदान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, कला संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन की दिशा में सुनहरे आयाम स्थापित करने के साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से देश-दुनिया में जोधपुर को गौरव प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।
- 65000 वर्गमीटर भूमि पर निर्मित इस ऑडिटोरियम की बैठक क्षमता 1350 व्यक्तियों (1036 व्यक्ति भूतल एवं 314 बालकनी) की होगी। कलाकारों के लिये दो डोरमेट्री एवं 25-25 क्षमता के दो ग्रीन रूम एवं दो बेंकेट लॉन व एग्जिबिशन सेंटर (प्रत्येक का क्षेत्रफल 5820 वर्गमीटर), राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार एवं कॉन्फ्रेंस आयोजित करने हेतु दो सेमिनार हॉल (प्रत्येक की क्षमता 64 व्यक्ति) तथा दो कॉन्फ्रेन्स हॉल भी है।
- इसमें कल्चरल सेंटर भी बनाया गया है, जिसमें आर्ट, फोटोग्राफी गैलरी, लाईब्रेरी, पेंटिंग स्टूडियो एवं एक वीआईपी लॉज आदि स्थित हैं। ऑडिटोरियम के बेसमेंट एवं ऑपन स्पेस में कुल 582 कार, 505 दोपहिया वाहन एवं 8 बसों की पार्किंग की व्यवस्था है।
- आगंतुकों के लिये दो रेस्टोरेंट (प्रत्येक की क्षमता 72 व्यक्ति) के निर्माण का प्रावधान भी कल्चरल सेंटर के समीप रखा गया है। इसके साथ ही आगंतुकों के लिये 14 गेस्ट रूम का निर्माण भी करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने किया लगभग 837 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

- 25 सितंबर, 2023 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्यस्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों के शुभारंभ समारोह में

नोट :

जोधपुर शहर एवं जोधपुर ग्रामीण में लगभग 837 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया, जिनमें प्रमुख हैं-
  - जोधपुर में जसवंत सागर मंडोर स्थित सुरपुरा एम्युजमेंट पार्क का लोकार्पण। जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा इस पार्क को विकसित किया गया है।
  - साथ ही, जोधपुर में सुरपुरा सफारी पार्क का लोकार्पण।
  - जोधपुर में आरटीओ आरोबी का लोकार्पण, मगरा पूंजला स्थित आयुर्वेदिक नर्सिंग कॉलेज में स्थापित की गई लीला देवी टांक की मूर्ति का अनावरण एवं कॉलेज परिसर में नवनिर्मित हॉल का लोकार्पण।

नोट :

- जोधपुर शहर विधानसभा क्षेत्र में 12.30 करोड़ रुपए की लागत के राजस्थान राज्य क्रीड़ा संस्थान जोधपुर खेल स्कूल (आवासीय) 250 बेडेड छात्रावास का लोकार्पण।
- 16 करोड़ रुपए की राशि के कृषि महाविद्यालय जोधपुर के नवीन परिसर का लोकार्पण।

- मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया, जिनमें प्रमुख हैं-
  - लूणी विधानसभा क्षेत्र में महात्मा गांधी दिव्यांग विश्वविद्यालय का शिलान्यास।
  - भोपालगढ़/बिलाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 499.86 करोड़ रुपए राशि के मारवाड़ आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय का शिलान्यास।
  - 27.51 करोड़ रुपए की लागत से आरटीओ ऑफिस सारण नगर ओवरब्रिज से 80 फीट रोड भदवासिया सड़क तक सिंगल लेन से डबल लेन सड़क निर्माण कार्यों का शिलान्यास।
  - 1.65 करोड़ रुपए लागत राशि के कृषि विश्वविद्यालय में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन पेरल मिलेट्स के कार्यों का शिलान्यास किया गया।

प्रधानमंत्री ने उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

चर्चा में क्यों?

- 24 सितंबर, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नौ वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें राजस्थान में चलने वाली उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल है।

प्रमुख बिंदु

- ये नौ ट्रेनें 11 राज्यों- राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, झारखंड और गुजरात में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी।

नोट :

- ये नई वंदे भारत ट्रेनें देश भर में कनेक्टिविटी में सुधार और रेलयात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ प्रदान करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक कदम हैं। जिन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई, वे हैं:
  - उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
  - तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस
  - हैदराबाद-बंगलूरू वंदे भारत एक्सप्रेस
  - विजयवाड़ा-चेन्नई (रेनिगुंटा के रास्ते) वंदे भारत एक्सप्रेस
  - पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
  - कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस
  - राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस
  - राँची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
  - जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस
- ये वंदे भारत ट्रेनें अपने संचालन के रूटों पर सबसे तेज़ गति से दौड़ेंगी और यात्रियों के समय में काफी बचत करेंगी।
- रूट पर मौजूदा सबसे तेज ट्रेन की तुलना में राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग तीन घंटे जल्दी सफर तय करेंगी; हैदराबाद-बेगलूरू वंदे भारत एक्सप्रेस 2.5 घंटे से अधिक समय की बचत करेगी; तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस 2 घंटे से अधिक समय की बचत करेगी; राँची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस और जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग एक घंटे के समय की बचत करेंगी तथा उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग आंधे घंटे जल्दी सफर तय करेंगी।
- देश के महत्त्वपूर्ण धार्मिक स्थलों की कनेक्टिविटी में सुधार करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप, राउरकेला भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस पुरी एवं मदुरै के महत्त्वपूर्ण धार्मिक शहरों को जोड़ेगी। इसके अलावा, विजयवाड़ा-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस रेनिगुंटा रूट से संचालित होगी और तिरुपति तीर्थस्थल केंद्र तक कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।
- इन वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत से देश में रेल सेवा के एक नए मानक की शुरुआत होगी। विश्वस्तरीय सुविधाओं और कवच तकनीक सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित ये ट्रेनें आम लोगों, पेशेवरों, व्यापारियों, छात्रों और पर्यटकों को यात्रा के आधुनिक, त्वरित आरामदायक साधन प्रदान करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होंगी।

राजस्थान साहित्य अकादमी ने घोषित किये वर्ष 2023-24 के वार्षिक पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 26 सितंबर, 2023 को राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के मीरा भवन में आयोजित संचालिका एवं सरस्वती सभा की बैठक के अनुमोदन के बाद अकादमी अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने अकादमी के वर्ष 2023-24 के वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- अकादमी की ओर से दिये जाने वाले वार्षिक पुरस्कारों के तहत वर्ष 2023-24 का सर्वोच्च मीरा पुरस्कार जयपुर निवासी रत्नकुमार सांभरिया को उनके उपन्यास 'सांप'के लिये दिया जाएगा।
- अकादमी के सम्मान परंपरा में सर्वोच्च सम्मान 'साहित्य-मनीषी'से प्रगतिशील लेखक, चिंतक और विचारक, अकादमी के पूर्व अध्यक्ष वेद व्यास को सम्मानित किया जाएगा।
- अकादमी के जनार्दनराय नागर सम्मान से प्रख्यात आलोचक, विद्वान डॉ. रणजीत को समादृत किया जाएगा।
- अकादमी के वर्ष 2023-24 के पुरस्कारों की श्रृंखला में सुधींद्र पुरस्कार उदयपुर के चेतन औदिच्य को कविता संग्रह 'पानी'के लिये, रांगेय राघव पुरस्कार जालोर के पुरुषोत्तम पोमल के उपन्यास 'पाषाण पुत्री क्षत्राणी हीरा-दे'के लिये, देवराज उपाध्याय पुरस्कार बीकानेर के आलोचक हरीश बी. शर्मा की कृति 'प्रस्थान बिंदु'के लिये, कन्हैयालाल सहल पुरस्कार जयपुर के राघवेंद्र रावत को डायरी 'मारक लहरों के बीच'के लिये दिया जाएगा।

नोट :

- वहीं नाटक विधा का देवीलाल सामर पुरस्कार अजमेर के रासबिहारी गौड़ को कृति 'गांधी ज़िंदा है' के लिये, बाल साहित्य का शंभूदयाल सक्सेना पुरस्कार कोटा मूल की चेन्नई निवासी रोचिका अरुण शर्मा को कथाकृति 'किताबों से बातें'के लिये तथा प्रथम कृति सुमनेश जोशी पुरस्कार उदयपुर के बिलाल पठान को 'अब पेड़ फल बेचेंगे'के लिये दिया जाएगा।
- अकादमी सचिव डॉ. बसंत सिंह सोलंकी ने बताया कि संचालिका-सरस्वती बैठक अनुमोदन के पश्चात् अकादमी अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने विद्यालयी-महाविद्यालयी पुरस्कार की भी घोषणा की है।
- विजेता विद्यार्थियों में चंद्रदेव शर्मा पुरस्कार कविता के लिये दामोदर शर्मा (इक्कीस कॉलेज गोपल्याण-लूनकरनसर), कहानी के लिये सुरेंद्र सिंह (राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर), एकांकी के लिये अमनदीप निर्वाण (एसएसएस कॉलेज, तारानगर) तथा निबंध के लिये पवन कुमार गुसांई (इक्कीस कॉलेज, गोपल्याण) को दिया जाएगा।
- वहीं परदेशी पुरस्कार कविता के लिये शुंभागी शर्मा (राउमावि भवानीमंडी-झालावाड़), कहानी के लिये परी जोशी (द स्कोलर्स एरिना, उदयपुर), निबंध के लिये करुणा रंगा (इक्कीस एकेडमी फॉर एक्सीलेंस, गोपल्याण) तथा लघुकथा के लिये द्रोपती जाखड़ (इक्कसी एकेडमी फॉर एक्सीलेंस, गोपल्याण) को दिया जाएगा।
- वर्ष 2023-24 का सुधा गुप्ता पुरस्कार निबंध के लिये इक्कीस कॉलेज गोपल्याण की कौशल्या को दिया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि मीरा पुरस्कार के लिये पचहतर हज़ार रुपए, सुमनेश जोशी पुरस्कार के लिये इक्कीस हज़ार रुपए एवं अन्य पुरस्कारों के तहत इकत्तीस हज़ार रुपए अकादमी देती है। वहीं सर्वोच्च साहित्य मनीषी अढ़ाई लाख रुपए की एवं जनार्दन राय नागर सम्मान एक लाख रुपए राशि का होता है।
- विद्यालयी-महाविद्यालयी पुरस्कारों की राशि प्रत्येक के लिये पाँच हज़ार रुपए होती है।

डोल मेले का विधिवत शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 26 सितंबर, 2023 को प्रदेश के बारां ज़िला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने नगर परिषद की ओर से बारां ज़िले में डोल तालाब के किनारे 15 दिवसीय डोल मेले का फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश के खान व गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि हाड़ौती का विख्यात डोल मेला पुरखों की अनुपम विरासत और समृद्ध संस्कृति का परिचायक है, इसे संरक्षित और पोषित करना राज्य की नैतिक ज़िम्मेदारी है।
- राज्य सरकार ने मेले का वैभव बढ़ाने के लिये 25 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य कराए हैं, आगामी दिनों में 50 करोड़ रुपए की राशि से और नए कार्य होंगे।
- डोल मेले का इतिहास-
  - बूंदी के महाराव सुरजन हाड़ा ने अकबर को रणथंभौर का किला सौंप दिया था। उस समय वहाँ से दो देव मूर्तियों को लाया गया था, उनमें एक रंगनाथ जी और दूसरी कल्याणराय जी की थी। रंगनाथ जी की मूर्ति को बूंदी में स्थापित किया गया और कल्याणराय जी की मूर्ति को बारां लाया गया था। बूंदी की तत्कालीन रानी ने यहाँ इनका मंदिर बनवाया और मूर्ति को स्थापित किया। उसके बाद से ही यहाँ पहले कुछ दिन का मेला शुरू हुआ और आज यह विशाल रूप ले चुका है।

नोट :

राज्यपाल ने संविधान पार्क का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 26 सितंबर, 2023 को राज्यपाल कलराज मिश्र ने बांसवाड़ा ज़िले में स्थित गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रवेश द्वार, संविधान उद्यान और संविधान स्तंभ का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन के शिलान्यास के साथ गोविंद गुरु की प्रतिमा का भी अनावरण किया।
- इस अवसर पर उन्होंने बताया कि गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय जनजातीय परंपराओं और संस्कृति से जुड़े उनके प्रकृति सरोकारों पर मौलिक शोध के लिये कार्य करेगा।

नोट :

- विदित है कि गोविंद गुरु व्यक्ति नहीं संस्था थे। वह युग प्रवर्तक ऐसे महापुरुष थे, जिन्होंने अपने समय में सामाजिक जागरूकता की क्रांति का शंखनाद किया। गोविंद गुरु ने 'भगत पंथ'की स्थापना के साथ धार्मिक जागृति और स्वाधीनता संग्राम में भी योगदान दिया था।
- संविधान उद्यान के निर्माण से देश की युवा पीढ़ी संविधान संस्कृति से जुड़ेगी और यह संविधान उद्यान नई पीढ़ी को संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों की याद दिलाता रहेगा।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर राजस्थान के दो गाँवों को मिले रजत और कांस्य पदक

चर्चा में क्यों ?

- 27 सितंबर, 2023 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर राजस्थान के दो गाँवों मीनल और नौरंगाबाद को केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन के माध्यम से ग्रामीणों की सांस्कृतिक विरासत और सतत् विकास को बढ़ावा देने एवं संरक्षण के लिये ग्रामीण पर्यटन ग्राम पुरस्कार में रजत और कांस्य पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु

- नई दिल्ली के भारत मंडपम् कन्वेंशन सेंटर में पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में देश के 35 ग्रामीण पर्यटन गाँव में से राजस्थान के चित्तौड़गढ़ ज़िले के मीनल गाँव को रजत और अलवर ज़िले के नौरंगाबाद गाँव को कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।
- केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव राकेश कुमार वर्मा से राजस्थान पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक पवन कुमार जैन ने पुरस्कार प्राप्त किये।
- उल्लेखनीय है कि पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार और ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होम-स्टे के लिये केंद्रीय नोडल एजेंसी द्वारा बेस्ट टूरिज्म विलेज प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।
- प्रतियोगिता में 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 795 ग्रामों द्वारा आवेदन प्राप्त हुए थे। इसमें से 35 ग्रामों को स्वर्ण श्रेणी में नामांकित किया गया। इन 35 ग्रामों में से शीर्ष 5 ग्रामों को स्वर्ण श्रेणी में, 10 ग्रामों को रजत श्रेणी में और 20 ग्रामों को कांस्य श्रेणी में पुरस्कृत किया गया।

नोट :

जीएसटी के राजस्व में वृद्धि के लिये 'मुख्यमंत्री जीएसटी बिल पुरस्कार योजना-2023' लागू

चर्चा में क्यों ?

- 27 सितंबर, 2023 को राजस्थान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य में जीएसटी के राजस्व में वृद्धि के लिये 'मुख्यमंत्री जीएसटी बिल पुरस्कार योजना-2023' लागू की गई है। योजना 1 अक्तूबर से 31 मार्च, 2024 तक की अवधि में जारी हुए बिल एवं इन्वॉइस पर लागू होगी।

प्रमुख बिंदु

- योजना में उपभोक्ताओं द्वारा राज्य में जीएसटी एक्ट के तहत रजिस्टर्ड व्यापारियों से क्रय की गई कर योग्य वस्तुओं और सेवाओं के संबंध में प्राप्त बिलों को राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध ऑनलाईन पोर्टल अथवा ऐप पर अपलोड करने के उपरांत लॉटरी द्वारा चयनित बिलों पर नगद पुरस्कार के रूप में देय होगी।
- यह योजना राज्य स्तर पर बिल पुरस्कार की भारत की सबसे बड़ी योजना होगी, जिसमें 1 करोड़ रुपए तक का बंपर पुरस्कार दिया जाएगा तथा प्रतिमाह कुल 45 लाख रुपए तक के पुरस्कार चयनित व्यापारियों को दिये जाएंगे।
- मासिक पुरस्कार में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमश: 10 लाख रुपए, 5 लाख रुपए तथा 50 हज़ार रुपए प्रदान किये जाएंगे।
- वार्षिक बंपर पुरस्कार में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमश: 1 करोड़ रुपए, 25 लाख रुपए तथा 15 लाख रुपए प्रदान किये जाएंगे।
- प्रत्येक ज़िले को समुचित प्रतिनिधित्व देने के लिये अतिरिक्त रूप में 50 ज़िले 50 पुरस्कार का प्रावधान है। कुल 1 हज़ार सांत्वना पुरस्कार भी दिये जाएंगे।
- मासिक पुरस्कार हेतु उपभोक्ता माह समाप्ति के बाद 10 दिनों के भीतर बिल अपलोड कर सकेगा।

उपराष्ट्रपति ने किया बाड़मेर के गुड़ामालानी में आईसीएआर के क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

- 27 सितंबर, 2023 को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बाड़मेर ज़िले के गुड़ामालानी में आईसीएआर के क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में मोटे अनाज के बारे में जागरूकता बढ़ी है। वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय 'श्री अन्न वर्ष'घोषित किया गया है, यह देश के लिये एक बड़ी उपलब्धि है।

  उन्होंने कहा कि आज जो केंद्र यहाँ खुल रहा है, उसका असर केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश और विदेश पर भी पड़ेगा।

यूडीएच मंत्री ने कोटा में बेटी गौरव उद्यान का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 27 सितंबर, 2023 को स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा नगर विकास न्यास द्वारा 4.50 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किये गये बेटी गौरव पार्क का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- नगर विकास न्यास के सचिव मानसिंह मीणा ने बताया कि इसमें विभिन्न प्रजाति के वृक्ष लगाए गए हैं। पार्क में ओपन जिम, जॉगिंग ट्रैक, बच्चों के मनोरंजन के लिये झूले भी लगाए गए हैं।
- स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा ज़िले के रानपुर स्थित देवनारायण नगर एकीकृत पशुपालक आवासीय योजना का लोकार्पण भी किया। साथ ही देवनारायण आवासीय योजना में नवनिर्मित बॉयोगैस प्लांट, देवनारायण रोटरी पब्लिक स्कूल का लोकार्पण भी किया।
- उन्होंने कहा कि इस योजना में पशुपालकों के लिये बॉयोगैस प्लांट विकसित किया गया है। यहाँ के पशुपालकों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आए, इसी उद्देश्य से यहाँ पर कक्षा 1 से 5 वीं तक की कक्षा के लिये विद्यालय का निर्माण किया गया है, जिससे बच्चों को इस परिसर में ही शिक्षा प्राप्त हो सके।

राज्यपाल ने खोले के हनुमानजी रोप-वे का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 28 सितंबर, 2023 को राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने जयपुर स्थित खोले के हनुमान जी मंदिर में रोप-वे का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- यह रोप-वे खोले के हनुमान जी मंदिर स्थित अन्नपूर्णा माता मंदिर से वैष्णो देवी माता मंदिर तक के लिये बना है। इसके बनने से यहाँ धार्मिक पर्यटन को गति मिलेगी।
- विदित है कि खोले के हनुमान जी का यह स्थल तपोभूमि है। संत निर्मल दास जी महाराज ने इस स्थल पर तपस्या की थी और पंडित राधेश्याम चौबे द्वारा यहाँ मंदिर निर्माण कार्य किये गए थे।

नोट :

- 1961 में पंडित राधेलाल चौबे ने मंदिर के विकास के लिये नरवर आश्रम सेवा समिति की स्थापना की।
- मंदिर के इतिहास के बारे में :
  - 60 के दशक में शहर की पूर्वी पहाड़ियों की खोह में बहते बरसाती नाले और पहाड़ों के बीच निर्जन स्थान में जंगली जानवरों के डर से शहरवासी यहाँ का रुख भी नहीं कर पाते थे, तब एक साहसी ब्राह्मण ने इस निर्जन स्थान का रुख किया और यहाँ पहाड़ पर लेटे हुए हनुमानजी की विशाल मूर्ति खोज निकाली।
  - इस निर्जन जंगल में भगवान को देख ब्राह्मण ने यहीं पर मारुती नंदन श्री हनुमान जी की सेवा-पूजा करनी शुरू कर दी और प्राणांत होने तक उन्होंने वह जगह नहीं छोड़ी।
  - जब यह स्थान निर्जन था, तब पहाड़ों की खोह से यहाँ बरसात का पानी खोले के रूप में बहता था, इसीलिये मंदिर का नाम खोले के हनुमानजी पड़ा।

जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने हवामहल ज़ोन में 61 करोड़ रुपए के 6 विकास एवं सौंदर्य कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया

चर्चा में क्यों ?

- 28 सितंबर, 2023 को राजस्थान के जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने हवामहल ज़ोन में जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 61 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से कराए जा रहे 6 विकास एवं सौंदर्य कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- इन विकास एवं सौंदर्य कार्यों में डिग्री कॉलेज, चिकित्सालय, अग्निशमन केंद्र, चौगान स्टेडियम एवं डेकोरेटिव लाइट्स के कार्य शामिल हैं।
- जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने संतोष कॉलोनी, कंवर नगर, ब्रह्मपुरी में 13.86 करोड़ रुपए की लागत से जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा नवनिर्मित राजकीय डिग्री कॉलेज का लोकार्पण कर आमजन को समर्पित किया। डिग्री कॉलेज खुलने से अब इस क्षेत्र के सभी विधार्थियों व उनके अभिभावकों को सहूलियत होगी।
  - इस कॉलेज का भूमि क्षेत्र न्यूनतम 13580 वर्ग मीटर है, जिसमें नए कॉलेज भवन का निर्माण, ऑडिटोरियम भवन का निर्माण एवं खेल सुविधाओं का निर्माण किया गया है।

नोट :

- हवा महल विधानसभा क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर स्मार्ट डेकोरेटिव पोल लगाने का कार्य 2.57 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा, जिसमें 9 मीटर एवं 5 मीटर ऊँचाई वाले डबल आर्म पोल लगाए जा रहे हैं। यह पोल जयपुर के हेरिटेज के अनुसार निर्मित करवाए गए हैं, जिससे विद्युत का खर्च भी कम होगा।
  - परियोजना के अंतर्गत यह स्मार्ट डेकोरेटिव पोल जोरावर सिंह गेट से जल महल, झूलेलाल मंदिर से राजमल का तालाब, पर्यटन थाना से काले हनुमान जी रोड, कर्बला दरगाह से पुराना बस स्टैंड आदि स्थानों पर लगाए जाएंगे।
- 300 बेड के पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय का निर्माण 44.61 करोड़ रुपए की लागत से 6000 वर्ग मीटर क्षेत्र में गणगौरी बाज़ार में किया जा रहा है। इस अस्पताल भवन परिसर में अग्निशमन केंद्र का कार्य कर उसका लोकार्पण किया गया है।
- उक्त चिकित्सालय के होने से महिला रोग, कॉर्डियोलॉजी, अस्थि रोग, न्यूरोलॉजी, सर्जरी, यूरोलॉजी, डेंटिस्ट्री के साथ आँख, नाक, गले व अन्य विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का आमजन को लाभ मिल सकेगा।

दृष्टि The Vision

नोट :